खतरा | संक्रमण फैलने का बढ़ा खतरा, हादसे के पहले जागे जिम्मेदार

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़, पानी में डूबा आंगनबाड़ी केंद्र

नवभारत, शहडोल। शहर के पुराने एक्सचेंज ऑफिस के पीछे वार्ड क्रमांक 28 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-1 इन दिनों बच्चों के लिए खतरे के बीच संचालित हो रहा है। केंद्र भवन चारों तरफ से पानी से घिरा हुआ है और आसपास करीब दो-दो फीट पानी भरा होने के बावजूद बच्चों की आवाजाही के लिए महज मिट्टी डालकर रास्ता बना दिया गया है। ऐसे हालात में छोटे बच्चों को केंद्र तक पहुंचाना किसी जोखिम से कम नहीं है।

आंगनबाड़ी केंद्र के चारों ओर लंबे समय से पानी जमा होने के कारण यहां संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। पानी के जमाव के बीच जहरीले जीव-जंतुओं के आने की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में केंद्र में आने वाले मासूम बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बच्चों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी जिन विभागों की है, उनकी निगरानी आखिर कहां है।

मिट्टी का रास्ता बना सुरक्षा कवच

केंद्र तक पहुंचने के लिए पानी के बीच मिट्टी डालकर रास्ता बना दिया गया है। बारिश या लगातार पानी जमा रहने की स्थिति में यह अस्थायी रास्ता कितना सुरक्षित है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि छोटे बच्चों के फिसलने या पानी में गिरने की आशंका बनी रहती है। किसी हादसे के बाद व्यवस्था जागे, इससे पहले जिम्मेदार विभाग को स्थायी समाधान करना जरूरी है।

सीलन से भवन भी बना चिंता का कारण

समस्या सिर्फबाहर जमा पानी तक सीमित नहीं है। आंगनबाड़ी भवन में सीलन की समस्या भी बनी हुई है। लगातार नमी के बीच बच्चों को बैठाने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का खतरा बढ़ सकता है। सवाल यह है कि बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाला केंद्र खुद ही असुरक्षित और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में क्यों संचालित हो रहा है? सरकार और विभाग बच्चों के लिए सुरक्षित आंगनबाड़ी केंद्र, बेहतर पोषण और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के दावे करते हैं, लेकिन वार्ड-28 की यह तस्वीर उन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े करती है।

अनहोनी से पहले निकालें हल

जब आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंचने के लिए भी बच्चों को पानी और कीचड़ के बीच से गुजरना पड़े तो योजनाओं और व्यवस्थाओं की निगरानी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग और नगर पालिका को पानी निकासी की स्थायी व्यवस्था करने के साथ केंद्र भवन की स्थिति का भी तत्काल निरीक्षण करना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी समस्या को किसी हादसे का इंतजार किए बिना दूर करना जरूरी है। सवाल अब यह है कि जिम्मेदार अमला कार्रवाई कब करेगा, हादसे से पहले या हादसे के बाद।

सीएम हेल्पलाइन में खानापूर्ति पर कलेक्टर सख्त

परिवहन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस, विभाग प्रमुखों को पिछले माह से बेहतर प्रदर्शन की चेतावनी

नवभारत, शहडोल। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही और खानापूर्ति पर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने अधिकारियों को दो टूक चेतावनी दी है। कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित समय-सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों को केवल आंकड़े सुधारने के लिए निम्न गुणवत्ता के साथ बंद करना अब अधिकारियों को भारी पड़ेगा। ऐसा करने वाले अधिकारियों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुखों को पिछले माह की तुलना में बेहतर परिणाम देना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के वास्तविक और संतोषजनक निराकरण पर जोर दिया जाए। केवल शिकायत बंद करने की औपचारिकता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

100 दिन पुराने मामलों पर कलेक्टर की सीधी नजर

बैठक में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन शिकायतों का आगामी बैठक तक अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि 100 दिन से अधिक समय तक शिकायत लंबित रहने पर संबंधित अधिकारियों का वेतन बंद किया जाएगा। कलेक्टर के इस निर्देश के बाद लंबे समय से लंबित शिकायतों को लेकर संबंधित विभागों में जवाबदेही बढ़ने की संभावना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निराकरण में टालमटोल की प्रवृत्ति को समाप्त कर समय-सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति, डीएफओ तरुणा वर्मा, श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मिनिषा पाण्डेय, एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग, एसडीएम जैतपुर दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, एंटोनिया एक्का, अंकित ऊके, गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग की प्रगति पर भी जतायी नाराजगी

सीएम हेल्पलाइन में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर ने परिवहन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को चेतावनी दी कि आगामी समीक्षा में पिछले माह से बेहतर प्रदर्शन दिखाई देना चाहिए। निर्धारित लक्ष्य और अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी बैठक में सीएम हाउस, सीएम मॉनिटर तथा विभिन्न आयोगों से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मामलों में समय-सीमा के भीतर जवाब प्रस्तुत किया जाए और लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

एक नजर में

कॉपर केबल काटकर भाग रहा था, आरपीएफ ने दबोचा

जबलपुर। जेईएसजी साइडिंग में खड़े रेलवे इंजन के नीचे से कॉपर केबल काटकर बोरी में भरकर ले जा रहे 29 वर्षीय युवक को आरपीएफ जबलपुर ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। उपनिरीक्षक राजकुमार चंदेल स्टाफ के साथ अधारताल क्षेत्र में गश्त कर रहे थे, तभी संदिग्ध युवक इंजन के नीचे से बोरी लेकर निकलता दिखा। आरपीएफ ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान सैफी खान उर्फ सलमान, निवासी नरसिंहपुर, हाल मोतीनाला, जबलपुर के रूप में बताई। उसके कब्जे से करीब एक मीटर लंबी कॉपर केबल बरामद हुई, जिसे उसने आरी से काटकर चोरी करना स्वीकार किया। आरपीएफ पोस्ट जबलपुर में मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार ने की। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। नाम-पते के सत्यापन के बाद आरोपी को नियमानुसार नोटिस देकर रिहा कर दिया गया।

कॉम्बिग गश्त : 225 वारंटी पकड़ाए

जबलपुर। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल की पुलिस ने कॉम्बिग गश्त की। इस दौरान कई वर्षों से फरार 110 गैर म्यादी वारिटयों एवं 66 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। 49 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। कॉम्बिग गश्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीमें बनाई गई।

गणेश पंडाल में छठी कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नवभारत, गोहपारू। नगर के करुआ रोड, गोहपारू, जिला शहडोल (मध्यप्रदेश) में सिद्धि विनायक उत्सव समिति द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर भव्य गणेश पंडाल में छठी कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों ने सहभागिता करते हुए भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गणेश पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित छठी कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं।आयोजन को सफल बनाने में सिद्धि विनायक उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था संभालने के साथ-साथ आने वाले श्रद्धालुओं का सहयोग किया।

ब्यौहारी पहुंची जनसेवा संकल्प यात्रा, पुष्पवर्षा से किया गया स्वागत

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक शरद कोल ने गौशाला में की गौ पूजा, अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

नवभारत, ब्यौहारी। सेवा संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से वडनगर तक निकाली जा रही 'जन सेवा संकल्प यात्रा' के शहडोल जिले के ब्यौहारी पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। 17 सितंबर से प्रारंभ हुई यह यात्रा सेवा, सहभागिता और जनकल्याण के संदेश के साथ विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजर रही है। ब्यौहारी पहुंचने पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक शरद कोल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने यात्रा का स्वागत किया।

इस दौरान स्थानीय नागरिक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। यात्रा के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक शरद कोल ने ग्राम पंचायत बोडिहा की गौशाला पहुंचकर गौ पूजा-अर्चना की। उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। इसके बाद दोनों जनप्रतिनिधि सिविल अस्पताल ब्यौहारी पहुंचे, जहां उन्होंने भर्ती मरीजों को फल वितरित किए और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल में जनप्रतिनिधियों ने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं तथा उपचार व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मरीजों से भी अस्पताल में मिल रही सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई।

17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

गौरतलब है कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से उनके जन्मस्थान वडनगर, गुजरात तक 'जन सेवा संकल्प यात्रा' निकाली जा रही है। यात्रा के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर जनसेवा और जनसहभागिता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभा मिश्रा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अर्चना मिश्रा, जनपद पंचायत अध्यक्ष आकांक्षी सिंह, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी कल्पना यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बोलने में झिझक से संवाद तक पहुंचा अथर्व, स्पीच थेरेपी से बदली तस्वीर

निरंतर अभ्यास, सही मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग से संवाद कौशल में आया उल्लेखनीय सुधार

नवभारत, शहडोल। हर बच्चे के भीतर अपनी बात कहने और भावनाओं को व्यक्त करने की स्वाभाविक इच्छा होती है, जरूरत होती है तो उसे सही दिशा और निरंतर सहयोग की। शहडोल के अथर्व चौरसिया की कहानी भी इसी बदलाव की मिसाल है। नियमित स्पीच एवं लैंग्वेज थेरेपी, परिवार के सहयोग और लगातार अभ्यास के बाद अथर्व की संवाद क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र, शहडोल में ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच थेरेपिस्ट लवकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में अथर्व के साथ नियमित रूप से स्पीच एवं लैंग्वेज थेरेपी की गई।

शुरुआत में उसे बोलने, बात समझने और अपने व्यवहार को नियंत्रित करने में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। थेरेपी के दौरान अथर्व की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बाल-केंद्रित और संरचित प्रक्रिया अपनाई गई। इसमें बोलने की क्षमता के साथ भाषा समझने, संवाद कौशल और व्यवहार नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया। लगातार अभ्यास के साथ धीरे-धीरे अथर्व में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे।

प्रयासों से लाया जा सकता है बदलाव

विशेषज्ञ के अनुसार नियमित थेरेपी के साथ घर पर मिलने वाला सहयोग बच्चों की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। स्पीच थेरेपिस्ट लवकेश गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक बच्चा अलग होता है और उसकी विकास यात्रा भी अलग होती है। सही आंकलन, उपयुक्त थेरेपी और निरंतर प्रयासों के माध्यम से बच्चों की संवाद क्षमता और समग्र विकास में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

अपनी जरूरतें व्यक्त करने लगा अथर्व

थेरेपी के परिणामस्वरूप अथर्व की बात समझने की क्षमता में सुधार हुआ और वह पहले की तुलना में बेहतर तरीके से संवाद करने लगा। उसकी बोलने की क्षमता में भी प्रगति देखने को मिली। अब वह निर्देशों को समझने और उनका पालन करने के साथ अपनी आवश्यकताओं को संवाद के माध्यम से व्यक्त करने में पहले से अधिक सक्षम हुआ है। अथर्व की इस विकास यात्रा में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। परिवार ने थेरेपी को लेकर निरंतरता बनाए रखी और बच्चे के अभ्यास में सहयोग किया।

राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता में शहडोल का दमदार पंच

टीम ने गोल्ड, सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज अपने नाम किए

नवभारत, शहडोल। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में 16 से 18 सितंबर तक आयोजित 25वीं मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वूशु प्रतियोगिता में शहडोल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले की झोली में सात पदक डाल दिए। प्रदेशभर से 700 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी वाली इस प्रतियोगिता में शहडोल के खिलाड़ियों ने अपने दमखम का प्रभाव छोड़ा। टीम ने एक स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में अथर्व सिंह टेकाम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है। वहीं आदित्य तिवारी ने रजत पदक हासिल किया। खिलाड़ियों ने अलग-अलग आयु एवं स्पर्धा वर्गों में अपने मुकाबलों में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

कोच और टीम प्रबंधन की भी अहम भूमिका

शहडोल टीम के जूनियर कोच के रूप में चंद्रशेखर यादव और कान्हा गर्ग ने खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया, जबकि हिमानी सिंह ने टीम मैनेजर की जिम्मेदारी संभाली।

शिलपरी में जारी है रेत चोरी, पुलिस प्रशासन बना मूक दर्शक

अवैध रेत चोरी के कारण नदी का स्वरूप भी बिगड़ रहा है, जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है।

नवभारत, धनपुरी। धनपुरी थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22 शिलपरी में अवैध रेत की चोरी खुलेआम की जा रही है। जिस पर अंकुश लगाना तो दूर स्थानीय पुलिस कभी कार्यवाही की जुर्रत तक तक नहीं करती है। रेत माफिया और पुलिस के संरक्षण में चल रहे इस अवैध चोरी को मानो खुला लाइसेंस मिला हो जो बेरोक टोक जारी है। कुछ दिनों पूर्व ही वहां से होने वाले अवैध रेत उत्खनन का वीडियो भी वायरल हुआ था जहां बड़ी संख्या में मजदूरों द्वारा नदी से रेत की अवैध निकाशी की जा रही थी। जिसके पश्चात एक-दो दिन मामला शांत रहने के बाद पुन: रेत की अवैध चोरी बदस्तूर जारी है। इस

कार्रवाही पर उठ रहे सवाल

सुबह होते ही रेत माफियाओं द्वारा ट्रैक्टरों के माध्यम से अवैध रेत की निकासी कर नगर के अलग-अलग जगहों पर भेजा जाता है। जहां रोज 8 से 10 ट्रैक्टर रेत रोज बेचा जा रहा इस अवैध कार्य पर पुलिस द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई न करना कई सवालों को जन्म देता है। कानून व्यवस्था की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली स्थानीय पुलिस को क्या यहां होने वाले अवैध रेत उत्खनन की जानकारी नहीं है या तो फिर जैसा जो चल रहा है ।

स्कूल में कम मिली छात्रों की उपस्थिति, शिक्षा गुणवत्ता भी खराब

कलेक्टर के निरीक्षण के बाद प्राथमिक शिक्षक पर कार्रवाई, एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी

नवभारत, शहडोल। ग्राम पंचायत पटासी में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर के दौरान शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पटासी की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर पार्थ जायसवाल के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में शिक्षकों के निर्धारित समय पर विद्यालय नहीं पहुंचने तथा शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर कमजोर होने की बात कही गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाई गई। इसके साथ ही शैक्षणिक गुणवत्ता का स्तर भी संतोषजनक नहीं मिला। विद्यालय की स्थिति को लेकर सामने आई इन कमियों के बाद संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

विद्यालय की अव्यवस्थाओं की हुई थी शिकायत

विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं समन्वयक, जनपद शिक्षा केंद्र सोहागपुर द्वारा जारी पत्र के अनुसार 18 सितंबर को ग्राम पंचायत पटासी में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर से शिकायत की थी। शिकायत में विशेष रूप से शिक्षकों के विद्यालयीन समय में उपस्थित नहीं रहने और बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने की बात सामने रखी गई थी।

शिक्षक की रोकी वेतनवृद्धि

कलेक्टर के निरीक्षण के बाद मामले में कार्रवाई करते हुए सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, शहडोल द्वारा जारी आदेश के तहत शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पटासी के प्राथमिक शिक्षक दीपक कुमार द्विवेदी की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से तत्काल रोक दी गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई को विद्यालयों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है।

वैज्ञानिक सलाह | कृषि विज्ञान केंद्र ने बताए निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र व दशपर्णी अर्क के उपयोग, रसायनों के छिड़काव में सुरक्षा पर जोर

धान में सफेद माहू-तना छेदक का प्रकोप, किसानों को नियंत्रण की सलाह

नवभारत, शहडोल। जिले में खरीफ फसलों में कीट एवं व्याधियों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र शहडोल ने किसानों को फसल सुरक्षा के लिए प्राकृतिक, जैविक एवं रासायनिक उपायों की जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करने तथा शुरुआती अवस्था में ही कीट एवं रोगों की रोकथाम करने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मृगेंद्र सिंह ने उड़द की उपयोगिता बताते हुए कहा कि इसकी जड़ों में मौजूद राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं। उड़द को हरी खाद के रूप में उपयोग करने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। फसल के अवशेष भी मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ बढ़ाने में सहायक होते हैं। उड़द की फसल करीब 60 से 70 दिनों में तैयार हो जाती है।

वैज्ञानिक डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति ने बताया कि जिले में धान की फसल में इन दिनों सफेद माहू, तना छेदक, तना गलन और शीथ ब्लाइट जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। सफेद माहू के प्रकोप में धान की पत्तियां सुनहरी-पीली पड़ने लगती हैं। किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करते हुए प्रारंभिक अवस्था में नियंत्रण के उपाय अपनाने की सलाह दी गई। सफेद माहू के नियंत्रण के लिए नीम तेल लगभग एक लीटर प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने की जानकारी दी गई।

मोजेक रोग में पौधे उखाड़ने की सलाह

मूंग एवं उड़द में लगने वाले मोजेक रोग की जानकारी देते हुए डॉ. प्रजापति ने बताया कि यह रोग सफेद मक्खी के माध्यम से फैलता है और उपज में 50 से 60 प्रतिशत तक कमी कर सकता है। रोगग्रस्त पौधों को प्रारंभिक अवस्था में ही खेत से निकालकर नष्ट करने की सलाह दी गई। सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए 3000 पीपीएम नीम तेल 3 से 5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की जानकारी दी गई। मिर्च की फसल में काले एफिड्स के प्रकोप पर वैज्ञानिक डॉ. दीपक चौहान ने बताया कि ये रस चूसने वाले कीट हैं, जिससे पत्तियां मुड़ने, पौधों की वृद्धि प्रभावित होने और उत्पादन घटने की समस्या हो सकती है। नियंत्रण के लिए नीमास्त्र को प्रभावी, किफायती और पर्यावरण अनुकूल उपाय बताया गया।

दवा छिड़काव में सुरक्षा जरूरी

कृषि विस्तार अधिकारी सोहागपुर हिमानी एवं आत्मा परियोजना के बीटीएम गोहपारू तारकेश्वर ने किसानों को खरपतवारनाशी, फफूंदनाशी और कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दवा का छिड़काव करते समय दस्ताने, मास्क, चश्मा, एप्रन और गमबूट का उपयोग किया जाना चाहिए। छिड़काव सुबह या देर शाम कम हवा के दौरान करने और तेज धूप में छिड़काव से बचने की सलाह दी गई।किसानों को निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और दशपर्णी अर्क जैसे प्राकृतिक उपायों को प्राथमिकता देने की सलाह देते हुए वैज्ञानिकों ने कहा कि रासायनिक दवाओं का उपयोग आवश्यकता और अनुशंसित मात्रा के अनुसार ही किया जाए। दवा का घोल हाथ से न मिलाने, लकड़ी की छड़ी का उपयोग करने तथा स्प्रेयर का नोजल मुंह से साफनहीं करने की भी हिदायत दी गई।

खुले में मछली बिक्री से गंदगी, 6 दुकानदारों पर जुर्माना

भूसा तिराहा और न्यू बस स्टैंड क्षेत्र में कार्रवाई, स्वच्छता व्यवस्था पर उठे सवाल

नवभारत, शहडोल। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर पालिका के दावों के बीच खुले में मछली की बिक्री का मामला सामने आया है। सार्वजनिक स्थानों पर बिना ढके मछली बेचने से जहां गंदगी और दुर्गंध की स्थिति बन रही थी, वहीं खाद्य सामग्री की खुले में बिक्री से स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायत और निरीक्षण के बाद नगर पालिका की टीम ने रविवार को कार्रवाई की।

नगर पालिका परिषद की टीम ने भूसा तिराहा, सोहागपुर के पास खुले में मछली बेचने वाली दुकानों को बंद कराया। वहीं न्यू बस स्टैंड के पास बिना ढके खुले में मछली बेच रहे छह दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 1,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। नगर के अन्य स्थानों में भी खुले में मांस, मछली की दुकाने संचालित हो रही हैं, नगरपालिका को इनकी ओर भी ध्यान देकर बंद करवाना चाहिए।

कार्रवाई के बावजूद व्यवस्था पर सवाल

कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को मछली और अन्य खाद्य सामग्री ढककर रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने की समझाइश दी गई। नगर पालिका ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन दोबारा मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, सवाल यह है कि शहर के प्रमुख इलाकों में खुले में खाद्य सामग्री की बिक्री और गंदगी की स्थिति कार्रवाई से पहले जिम्मेदार अमले की नजर में क्यों नहीं आई। महज 1,500 रुपये के जुर्माने से क्या खुले में मछली बिक्री और उससे जुड़ी गंदगी पर प्रभावी रोक लग पाएगी, यह भी सवाल बना हुआ है।

स्वच्छता के दावों पर पड़ेगा असर

नियमित निरीक्षण और प्रभावी कार्रवाई के अभाव में यदि खुले में खाद्य सामग्री की बिक्री जारी रहती है तो स्वच्छ शहर के अभियान के दावों पर असर पड़ना स्वाभाविक है। कार्रवाई में स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया, भूपेश कोहरे, दुर्गेश गुप्ता, संतोष लखेरा, अंकुश सेन सहित फायर टीम की सहभागिता रही। नगर पालिका ने नागरिकों और दुकानदारों से कचरा निर्धारित कचरा संग्रहण वाहन में डालने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने की अपील की है।